Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–131

B.A. (Part–I) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

   (i) अपभ्रंश कविता में ढोला शब्द का क्या अर्थ है ?

   (ii) विद्यापति के काव्य की सबसे बड़ी प्रेरणा क्या है ?

(iii) संत कबीर एक सफल समाज सुधारक एवं धर्म सुधारक थे। संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(iv) हिन्दी के प्रेमाख्यानक काव्यों की सामान्य विशेषताएँ बताइए।

(v) रसखान के काव्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(vi) रहीम के **तीन** प्रसिद्ध ग्रंथ कौनसे हैं ?

(vii) कृष्ण भक्ति के प्रमुख सम्प्रदाय कौनसे हैं ? संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(viii) आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कौनसी हैं ?

(ix) 'अलंकरोति इति अलंकार' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(x) 'पानी गए न ऊबरै मोती मानस चून'—उक्त पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित व्याख्याओं में से किन्हीं **पाँच** पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2. सजनी कानुक कहबि बुझाई

रोपि पेमक बिज अंकुर मड़लि, बाँचब कौन उपाई।

तेल-बिन्दु जैसे पानि पसारिए, ऐसन मोर अनुराग।

सिकता जल जैसे छनहि सूखए, तैसन मोर सुहाग।

कुल-कामिनी छलौं कुलटा-भए गेलीं तिनकर वचन लोभाई।

अपने कर हम मूँड़-मुड़ाएल, कानु से प्रेम बढ़ाई।

चोर रमनि जनि मन मन रोअई, अम्बर बदन छिपाई।

दीपक लोभ सलभ जनि धाएल, से फल भुजइत चाई।

3. आ साजन मोरे नैनन में, सो पलक ढांप तोहे दूं।

न मैं देखूं और को, ना तोहे देखन दूं॥

अपनी छवि बनाई के मैं तो पी के पास गई।

जब छवि देखी पीहू की सो अपनी भूल गई॥

4. निर्गुन कौन देस को बासी ?

मधुकर! हंसि समुझाय, सौंह दै बूझति सांच, न हांसी॥

कौ है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी ?

कैसो बरन भेस है कैसी केहि रस में अभिलासी॥

पावैगी पुनि कियो आपना जो रे। कहैगो गांसी।

सुनत मीन ह्वै रह्यो ठग्यो सौ सुर सवै मति नासी॥

5. मानसरोदक देखिअ काहा। भरा समुंद अस अति अवगाहा।

पानी मोति अस निरमर तासूं। अंब्रित बानि कपूर सुबासू।

लंक दीप कै सिला अनाई। बांधा सरवर घाट बनाई।

खँड खँड सीढी भई गरेरी। उतरहिं चढ़हिं लोग चहुं फेरी।

फूला कँवल रहा होइ राता। सहस सहस पंखुरिन्ह कर छाता।

उथलहिं सीप मोंति उतिराहीं। चुगहिं हंस ओ केलि कराहीं।

कनक पंखि पैरहि अति लोने। जानेहु चित्र सँवारे सोने।

6. मैं तो सांवरे के रंग राची

साजि सिंगार, बांधि पग घुंघरू, लोक-लाज तजि नाची

गयी कुमत, लयी साध की संगत, भगत-रूप भयी सांची

गाइ-गाइ हरि के गुन निसिदिन, काल ब्याल सों वांची

उण विन सब जग खारो लागत, और बात सब काची

मीरां श्री गिरधरन लाल सूं भगति रसीली जाची।

7. मोर पंखा सिर ऊपर राखो, गुंज की माल गरे पहिरौंगी॥

ओढ़ि पितम्बर लै लकुटी, बन गोधन ग्वार न सँग फिरौंगी॥

भावतो मोहि मेरो रसखान, सो तेरे कहे सब स्वाँग भरौंगी॥

या मुरली मुरलीधर की, अधरान धरी अधरा न धरौंगी॥

8. ऐसी लाल तुझ बिनु कौन करै।

गरीब निवाजु गुसाई आ मेरा माथै छत्रु धरै॥

जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।

नीचउ ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै॥

नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सेनु तरै॥

कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ तै सभै सरै॥

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

9. अमीर खुसरो की हिन्दी रचनाओं को कितने भागों में बाँटा जा सकता है ? उदाहरण सहित समझाइए।

10. मीरा के लौकिक और आध्यात्मिक प्रेम पर लेख लिखिए।

11. ''जायसी हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ रहस्यवादी कवि हैं।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

12. आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ समझाइए।